HINDI

हिन्दी

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

नोट : यह प्रश्नपत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चार खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

www.examrace.com

खण्ड — I

निर्देश : *निम्नलिखित पद्य-अवतरण के आधार पर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस-तीस (30-30) शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।*

खण्ड – I

चढ़ा असाढ़, गगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा।।
धूम, साम, धौरे घन धाए। सेत धजा बग पाँति देखाए।।
खड़ग बीजु चमकै चहुँ ओरा। बुंद बान बरसहिं घन घोरा।।
ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत! उबारु मदन हौं घेरी।।
दादुर मोर कोकिला, पीऊ। गिरै बीजु, घट रहै न जीऊ।।
पुष्य नखत सिर ऊपर आवा। हौं बिनु नाह, मँदिर को छावा?
अद्रा लाग लागि भुइँ लेई। मोहिं बिनु पिउ को आदर देई?

www.examrace.com

1. यहाँ प्रकृति किस रूप में चित्रित हुई है?

2. इस माह में किन-किन जीवों की ध्वनियाँ नागमती के विरह को बढ़ा देती हैं और कैसे ?

3. पुष्य नक्षत्र लगने से नागमती क्यों चिन्तित हो जाती है?

www.examrace.com

4. 'मोहि बिनु पिउ को आदर देई' का आशय स्पष्ट कीजिए।

5. लोक संस्कृति की कौन सी विशेषता इस काव्यांश में दिखाई देती है?

www.examrace.com

खण्ड – II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. हठयोग साधना से क्या अभिप्राय है?

7. सूर के बाल-चित्रण की विशेषताएँ बताइए।

www.examrace.com

8. कबीर के भाषा-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

9. केशव के संवाद-कौशल का सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

www.examrace.com

10. भारतेन्दु मंडल का परिचय दीजिए।

11. प्रसाद की प्रेम-दृष्टि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

12. सामूहिक अवचेतन से क्या अभिप्राय है?

13. रघुवीर सहाय की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

www.examrace.com

14. 'अकहानी' की विशेषताएं बताइए।

15. 'गोदान' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

www.examrace.com

16. 'ध्रुवस्वामिनी' के आधार पर प्रसाद की नारी-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

17. बालकृष्ण भट्ट की निबन्ध शैली की विशेषताएँ बताइए।

www.examrace.com

18. 'सहृदय सामाजिक' किसे कहते हैं?

19. यमक और श्लेष का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

20. अभिव्यंजनावाद की मूल स्थापनाएं लिखिए।

खण्ड — III

निर्देश : निम्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग के पाँचों प्रश्नों*** का उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प — I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

अँखियाँ हरि दरसन की भूखीं।
कैसे रहैं रूपरसराँची ये बतियाँ सुनि रूखीं॥
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं झूखीं।
अब इन जोग सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखीं॥
बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पै पिवत पतूखीं।
सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता हैं सूखीं॥

22. कबीर की दृष्टि में गुरु का महत्व स्पष्ट कीजिए।

23. रूपक तत्व की दृष्टि से 'पद्मावत' पर विचार कीजिए।

24. 'सूर की भक्ति साख्य स्वरूपा है।' — स्पष्ट कीजिए।

25. 'तुलसी के रामराज्य की परिकल्पना एक यूटोपिया है।' — इस उक्ति पर विचार कीजिए।

www.examrace.com

विकल्प – II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

चाहिए तुझको सदा मेहरुन्निसा
जो निकाले इत्र, रू, ऐसी दिशा
बहाकर ले चले लोगों को, नहीं कोई किनारा
जहाँ अपना नहीं कोई भी सहारा
ख्वाब में डूबा चमकता हो सितारा
पेट में डंड पेले हों चूहे, ज़बाँ पर लफ़्ज़ प्यारा।

22. छायावादी कवियों के सौन्दर्यबोध पर प्रकाश डालिए।

23. प्रसाद की समरसतावादी दृष्टि का विवेचन कीजिए।

24. महादेवी की काव्य भाषा का मूल्यांकन कीजिए।

25. 'पन्त की सौन्दर्य चेतना में प्रकृति की रचनात्मक भूमिका है।' — विचार कीजिए।

विकल्प – III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

जीवन के संघर्ष में उसे सदैव हार हुई, पर उसने कभी हिम्मत नहीं हारी। प्रत्येक हार जैसे उसे भाग्य से लड़ने की शक्ति भी देती थी; मगर अब वह उस अन्तिम दशा को पहुँच गया था, जब उसमें आत्मविश्वास भी न रहा था। अगर वह अपने धर्म पर अटल रह सकता, तो भी कुछ आँसू पुँछते, मगर वह बात न थी। उसने नीयत भी बिगाड़ी, अधर्म भी कमाया, कोई ऐसी बुराई न थी; जिसमें वह पड़ा न हो; पर जीवन की कोई अभिलाषा न पूरी हुई और भले दिन मृगतृष्णा की भाँति दूर ही होते चले गए।

22. राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में हिन्दी उपन्यासों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

23. "'मैला आँचल' में बावनदास की मृत्यु भारतीय राजनीति में गांधीवाद का अवसान है।" — इस कथन पर विचार कीजिए।

24. दलित लेखन के सन्दर्भ में 'सहानुभूति और स्वानुभूति' के प्रश्न पर विचार कीजिए।

25. कहानीकार के रूप में जयशंकर प्रसाद का महत्व निरूपित कीजिए।

www.examrace.com

विकल्प—IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' — विश्लेषण कीजिए।

22. औचित्य सम्प्रदाय की मुख्य मान्यताओं का परिचय दीजिए।

23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमानों का उल्लेख कीजिए।

24. टी.एस. इलियट की परम्परा की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

25. संरचनावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

खण्ड—IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्तिकाव्य के दार्शनिक आधार;

(ख) छायावादी कवियों की विश्वदृष्टि;

(ग) भारतीय राजनीति और स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य;

(घ) हिन्दी आलोचना के पाश्चात्य प्रतिमान।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

www.examrace.com